क्या आप आशीष पाना चाहते हैं? तो उसकी कीमत चुकानी होगी

जब आप देखते हैं कि परमेश्वर ने आपके लिए भविष्य में भली बातें प्रतिज्ञा की हैं, तो जान लीजिए कि उन आशीषों से पहले आपको कठिनाइयों से भी गुजरना पड़ सकता है। और जब वह कहता है कि वह आपको ढक लेगा, बचाएगा और सुरक्षित रखेगा, तो यह भी सम्भव है कि पहले आपको ऐसी कठिन परिस्थितियों से गुजरना पड़े, जहाँ लगे कि आप खो गए हैं।

हम सबको परमेश्वर की दिलासा देने वाली बातें बहुत भाती हैं। लेकिन सच यह है कि “जब तक निराशा या दुःख का अनुभव न किया जाए, तब तक सच्चा दिलासा समझा नहीं जा सकता।” इसीलिए जब परमेश्वर हमें सांत्वना का वचन देता है, तो यह भी याद रखिए कि उससे पहले निराशा का समय भी आएगा।

अब्राहम का उदाहरण
बाइबल कहती है:
इब्रानियों 11:8-9

“विश्वास से अब्राहम ने आज्ञा मानकर उस स्थान को प्रस्थान
किया, जिसे वह मीरास में पाने वाला था; और वह निकल पड़ा, बिना यह जाने कि कहाँ जाएगा। विश्वास से उसने प्रतिज्ञा की हुई भूमि में परदेशी होकर डेरा डाला, इसहाक और याकूब के साथ, जो उसी प्रतिज्ञा के सहवारिस थे।”

क्या आप आशीष पाना चाहते हैं? तो उसकी कीमत चुकानी होगी

अब्राहम से कहा गया—“मैं तुझे एक बड़ी जाति बनाऊँगा।” लेकिन उस वचन की कीमत क्या थी? उसे अपना जन्मस्थान, अपना परिवार, अपनी सम्पत्ति, सब कुछ छोड़ना पड़ा और एक अंजान देश की ओर निकलना पड़ा।

यूसुफ का उदाहरण
यूसुफ को बड़े-बड़े स्वप्न मिले कि उसके भाई उसके आगे झुकेंगे। परन्तु उस गौरव से पहले उसने दासत्व और कारागार के वर्ष बिताए। उसे अपमानित किया गया, झूठे दोष लगाए गए, परंतु उन्हीं अनुभवों ने उसे तैयार किया ताकि परमेश्वर के समय पर वह ऊँचे पद पर बैठाया जाए।

मूसा का उदाहरण
परमेश्वर ने मूसा से कहा:
निर्गमन 7:1

“देख, मैं ने तुझे फिरौन के लिये ईश्वर के तुल्य कर दिया
है।”

पर यह महिमा मिलने से पहले मूसा को मिस्र का राजमहल छोड़कर 40 वर्षों तक जंगल में नम्रता और टूटन का जीवन बिताना पड़ा। बाद

क्या आप आशीष पाना चाहते हैं? तो उसकी कीमत चुकानी होगी

में बाइबल कहती है:
इब्रानियों 11:24-27

“विश्वास से मूसा ने, जब वह बड़ा हुआ, तो फ़िरौन की बेटी का पुत्र कहलाना अस्वीकार किया; और पाप के थोड़े समय के सुख
उठाने से उत्तम समझा कि परमेश्वर के लोगों के साथ कष्ट उठाए;
और मसीह के कारण अपमानित होना मिस्र के खज़ानों से बड़ा धन समझा, क्योंकि वह प्रतिफल की ओर ताकता था।”

शिष्यत्व की कीमत
यीशु ने अपने चेलों से कहा:

मत्ती 19:27-29
“तब पतरस ने उत्तर दिया, देख, हम ने सब कुछ छोड़ कर तेरे पीछे हो लिए हैं; तो हमें क्या मिलेगा? यीशु ने उनसे कहा—मैं तुम से सच कहता हूँ, कि… जो कोई मेरे नाम के लिये घर या भाई या बहिन या पिता या माता या पत्नी या बालक या खेत छोड़ दे, वह सौ गुना पाएगा और अनन्त जीवन का अधिकारी होगा।”

आज हमारे लिए संदेश

क्या आप आशीष पाना चाहते हैं? तो उसकी कीमत चुकानी होगी

यदि आप सचमुच मसीह की आशीष चाहते हैं, तो उसकी कीमत चुकाने को भी तैयार रहना होगा। यह कीमत है—पापमय जीवन को छोड़ देना:

शराब, व्यभिचार और अवैध सम्बन्धों से तौबा करना,

छल और ठगी से मिली सम्पत्ति लौटाना,

अधर्मी धन्धे को छोड़ देना, चाहे उससे कितना भी लाभ मिलता हो।

याद रखिए—वह लाभ परमेश्वर से नहीं, बल्कि शैतान से था। लेकिन प्रभु यीशु प्रतिज्ञा करता है कि जो सब कुछ छोड़कर उसके पीछे चलता है, वह “सौ गुना पाएगा और साथ ही अनन्त जीवन का वारिस होगा।”

तो क्या बेहतर है? कुछ क्षणिक लाभ लेकर अन्त में नरक में जाना, या मसीह के साथ सौ गुना पाकर अनन्त जीवन का अधिकारी बनना?

मसीह का अनुसरण केवल आशीष पाने के लिये नहीं, बल्कि नई सृष्टि बनने और अपनी आत्मा के उद्धार के लिये है। और परमेश्वर के समय पर वह अपने लोगों को उठाता और आशीषित करता है।

परमेश्वर आपको आशीष दे।

क्या आप आशीष पाना चाहते हैं? तो उसकी कीमत चुकानी होगी

मरण अथवा प्रभु का आगमन—मaranatha!

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp